परामर्श एवं योजना

हडको द्वारा आवास और शहरी विकास क्षेत्र के तहत विविध क्षेत्रों की 300 से अधिक परियोजनाओं में परामर्श दिया गया है।

उद्देश्य:

भारत और विदेशों में आवास और शहरी विकास कार्यक्रम से संबंधित परियोजनाओं की नियोजना और डिजाइनिंग के लिए प्रोत्साहन, स्थापना, सहायता, सहयोग और परामर्श सेवाएं प्रदान करना।

ग्राहक कौन हैं:-

हडको परामर्श सेवाएं उन संस्थानों के लिए उपयुक्त हैं जिनके पास विशेषज्ञता या जनशक्ति नहीं है या वे संस्थान जो हडको सहित अपने स्वयं के प्रयासों को पूरक बनाना चाहते हैं जैसे भारत की राज्य सरकारें। हडको परामर्श सेवाएं उन आवास या शहरी विकास एजेंसियों के लिए भी उपयुक्त होगी जो स्वयं या अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करके कार्यान्वयन के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करना चाहती हैं। हडको परामर्श सेवाएं उन शहरी विकास एजेंसियों के लिए भी उपयुक्त होंगी जो कार्यान्वयन के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करना चाहती हैं और वित्तीय सहायता अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों या हडको ऋण से प्राप्त करें अन्यथा जिनके पास स्वयं वित्तीय संसाधन हैं।

प्रोफेशनल स्टाफ़:

हडको परामर्श सेवाएं में विभिन्न स्तरों पर वास्तुविद, टाउन प्लानर्स, हाउसिंग एक्सपर्ट्स, लैंडस्केप डिज़ाइनर्स, इंजीनियर्स, ट्रांसपोर्टेशन प्लानर्स, इकोलॉजिस्ट, कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट आदि सहित बहु-अनुशासनात्मक प्रोफेशनल कर्मचारी हैं। यह हडको में अन्य विषयों से उपलब्ध विशेषज्ञता और ख्याति प्राप्त बाहरी विशेषज्ञों का भी उपयोग कर सकता है।

आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसी टीम:

हडको में आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसी टीम के पास ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट्स, अल्प आय ग्रुप हाउसिंग, मलिन बस्ती पुनर्वास और पुनर्विकास, प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदा पीड़ितों के पुनर्वास, संस्थागत, वाणिज्यिक, पर्यटन, संरक्षण और साइट प्रबंधन योजनाओं को डिजाइन करने का करीब पांच दशकों का अनुभव है। इसकी एक अखिल भारतीय उपस्थिति है और इसके काम की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता है।

डिजाइन दृष्टिकोण:

हडको विभिन्न प्रकार की विकास परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए व्यापक वास्तुशिल्प सेवाएं प्रदान करता है। टीम में कार्यरत वास्तुविद और अभियन्ता अनेक कार्यक्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त हैं। टीम की कार्यकुशलता हडको को विविध प्रकृति और व्यापक स्तर की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक वितरित करने में सक्षम बनाती है।

वास्तुशिल्प परामर्श के व्यापक उद्देश्य और दृष्टिकोण प्राप्त करने में वस्तुशिल्प सेवा विभाग कर्मठता पूर्ण तकनीकी उत्कृष्टता लागू कर रहा है | यह विभाग सामाजिक कल्याण और भारतवंशियो के जीवन की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये व्यय बचत , एनर्जी एफिसियंट डिजाइन, लचीलापन, जलवायु प्रतिक्रिया सुनिश्चित करता है |

अपनी डिजाइन प्रक्रिया के दौरान यह विभाग ग्राहक की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है | अपेक्षित समय सीमा और धन के अनुसार काम करने में सफल है।

हडको की डिजाइन टीम ने पूरे भारत में व्यापक पैमाने पर विभिन्न प्रकार की 300 से अधिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। आर्थिक रूप से कमजोर, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक और व्यक्तिकगत अक्षमता वाले आपदा प्रभावित पीड़ितों के लिए घरों का डिजाइन और निर्माण किया है | इसके अलावा अनेक चुनोतियों के लिय तैनात रहा जैसे उच्च घनत्व कम ऊचाई वाले आवास डिजाइन करना, उच्च भूकंपीय क्षेत्र में एक सांस्कृतिक परिसर डिजाइन करना और विश्व धरोहर स्थलों के लिए साइट प्रबंधन योजना, पर्यटन बुनियादी ढांचा और भूनिर्माण वनस्पति उद्यानों में भी हडको ने सफलतापूर्वक अपनी बहुमुखी प्रतिभा और स्थानिक आउटरीच का प्रदर्शन किया है।

हडको कंसल्टेंसी ने सामर्थ्य अनुरूप आवास, पर्यावरण सुधार, विकास योजनाओं, आपदा के बाद पुनर्वास, परिदृश्य और संरक्षण के क्षेत्रों में कई परियोजनाएं शुरू की हैं। इसके अतिरिक्त भी कुछ प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं:

• आर्थिक रूप से कार्यक्षम आवास की डिजाइन
• प्रदर्शन के लिए आवास परियोजनाएं
• विकास योजनाएं
• राज्य शहरी विकास कार्यनीति,
• मास्टर प्लान,
• नए/पुराने शहरों के लिए सीडीपी
• मलिन बस्ती मुक्ती के लिए शहर योजना तैयार करना
• जवाहरलाल नेहरु राष्ट्रीय शहरी नवीकरण योजना (JNNURM), नगर के गरीबों को आम नागरिक सुविधायें(BSUP), और (IHSDP) योजनाओं के तहत विभिन्न नगरों में आर्थिक रूप से कार्यक्षम, लाभकारी और उत्तरदायी नगरीय अवस्थापनाओं का विकास सुनिष्चित करने के लिए डीपीआर बनायी

मलिन बस्ती पुनर्विकास, पुनर्वास उन्नयन परियोजनाएँ

• परिवहन अध्ययन,
• शहरी डिजाइन अध्ययन,
• विभिन्न परियोजनाओं के लिए लैंडस्केप योजना और डिजाइन
• नदी तट (रिवरफ्रंट) डेवलपमेंट प्लान तैयार करना
• इंटीरियर डिजाइनिंग और कार्यान्वयन।
• हडको की अपनी परियोजनाओं के लिए परियोजना प्रबंधन
• संस्थागत और वाणिज्यिक भवनों और आवास परियोजनाओं का डिजाइन।

हडको की वर्तमान में चल रही व हाल ही में पूरी हुई कुछ परियोजनाएं हैं:

✓ उच्च वृद्धि की हाउसिंग कॉलोनी, श्रीनगर
✓ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली
✓ हडको, अहमदाबाद का क्षेत्रीय कार्यालय

- ✓ तीर्थ स्थान व सांस्कृतिक परिसर, नामची
- ✓ एचएसएमआई बिल्डिंग, नोएडा
- ✓ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, फतेहपुर सीकरी
- ✓ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, इंफाल
- ✓ पुडुचेरी में विभिन्न स्थानों पर पर्यटक सुविधाएं और बुनियादी ढांचा
- ✓ एचएएल कर्मचारियों के लिए स्टाफ हाउसिंग, बेंगलुरु
- ✓ पूर्वोत्तर भारत में (EWS) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आवास
- ✓ वानस्पतिक उद्यान, पुडुचेरी का नवीनीकरण

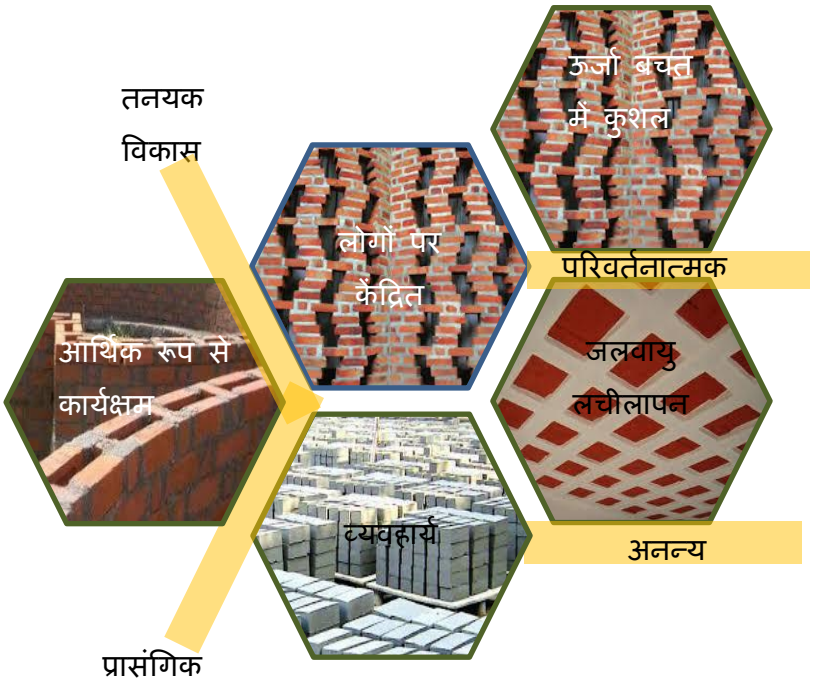

संस्थागत परियोजनाएं

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण(ASI), तिलक मार्ग, नई दिल्ली

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, एक सरकारी एजेंसी, जो देश में पुरातात्विक अनुसंधान और सांस्कृतिक स्मारकों के संरक्षण के लिए जिम्मेदार है। दिल्ली के लुटियन जोन के तिलक मार्ग, नई दिल्ली इलाके में 1.04 हेक्टेयर के भूखंड में(ASI) ने अपने नए कॉर्पोरेट कार्यालय को डिजाइन करने के प्रतिष्ठित कार्य की पेशकश की। ASI कार्यालय की डिज़ाइन की प्रमुख चुनौती थी ASI के विशिष्ट कार्यक्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए कार्यात्मक दक्षता को डिजाइन में शामिल करना। इसके अतरिक्त इस क्षेत्र की कॅलोनियल वास्तुकला शैली और प्रासंगिक प्रभावकारी तत्वों को सम्मलित करते हुए, ASI के गौरव और भारत में निर्मित विरासत के संरक्षक के रूप में विशाल कार्य को अनुरूप देना।

तदनुसार, इमारत के बाहरी रूप को लुटियंस दिल्ली की औपनिवेशिक वास्तुकला शैली के साथ मिश्रण और प्रतिबिंबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे मौजूदा संरचना के साथ मिश्रण करने के लिए घुमावदार इमारत के रूप में योजनाबद्ध किया गया है, जिसका नाम धारोहर भवन रखा गया है, इस भवन का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

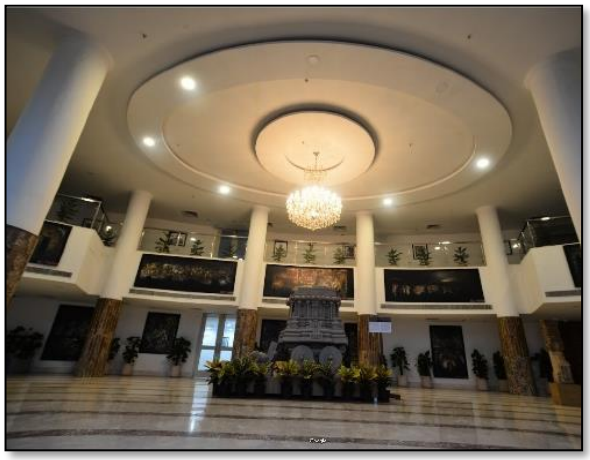

ह्यूमन सेटलमेंट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा

ह्यूमन सेटलमेंट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, हडको का अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र है जो अपने कर्मचारियों, शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों और अन्य सरकारी एजेंसियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करता है। विदेश मंत्रालय के सहयोग से, एचएसएमआई विशेष रूप से सार्क और अफ्रीकी देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण भी आयोजित करता है। नोएडा में एक अत्याधुनिक प्रशिक्षण संस्थान डिजाइन किया गया है और निष्पादन के अधीन है। प्रस्तावित संस्थान सौंदर्यशास्त्र और ऊर्जा दक्षता के साथ कार्यात्मक प्रभावकारिता को मिश्रित करता है।

यह परियोजना 4.0 हेक्टेयर भूमि में फैली हुई है और इसमें शामिल इमारतें मुख्य कार्यालय भवन, अतिथि घर ब्लॉक, एनेक्सी, और एक सभागार है, इमारतों के परिसर में ओपन एयर थिएटर, ग्रीन टीले और जल निकाय के साथ एक सुंदर भूदृश्यकला क्षेत्र भी आसपास व्यवस्थित किए गए हैं।

हडको के क्षेत्रीय कार्यालय

हडको की विस्त्रित कार्यनीति के अंतरगत लगभग सभी राज्यों की राजधानियों में अपने स्वयं के कार्यालयों के निर्माण की प्रक्रिया में जुटा है, जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं और कुछ पूरे हो चुके हैं। इन भवनों का डिजाइन हडको के वास्तुविद द्वारा किया गया है|

इन भवनों का डिज़ाइन मुख्य रूप से लागत और ऊर्जा संबंधी चिंताओं के संस्थागत लोकाचार को प्रतिबिंबित करता है | यह इमारतें देश में प्रमुख तकनीकी-वित्तीय संस्थान के रूप में हडको की छवि पर खरा उतरती हैं|

हडको के क्षेत्रीय कार्यालय

अपनी विस्तार कार्यनीति के एक भाग के रूप में हडको सभी राज्यों की राजधानियों में अपने स्वयं के कार्यालयों के निर्माण की प्रक्रिया में है, जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। कुछ पूरे हो चुके हैं, व्यस्त और कार्यात्मक भी हैं। इन भवनों का डिजाइन इन-हाउस तैयार किया जाता है।

इन भवनों का डिज़ाइन फोकस मुख्य रूप से लागत और ऊर्जा संबंधी चिंताओं के संस्थागत लोकाचार को प्रतिबिंबित करता है। देश में प्रमुख तकनीकी-वित्तीय संस्थान के रूप में हडको की छवि को कायम रखना है |

पुराना जिला अस्पताल, इंफाल में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पुराने जिला अस्पताल, बीटी रोड, इंफाल, मणिपुर के इलाके में स्थित एशिया के सबसे बड़े महिला बाजारों में से एक है| मणिपुर सरकार ने इस वाइब्रेंट परियोजना के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए हडको को नियुक्त किया । डिजाइन का उद्देश्य कम से कम 548 महिला विक्रेताओं को 3.29 एकड़ की साइट पर एक आधुनिक मॉल प्रकार के परिसर में पुनर्वास करना है। डिजाइन अवधारणा प्रमुख रूप से उपयोगकर्ताओं की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों पर केंद्रित है। केंद्रीकृत फूड कोर्ट, क्रेच, खाना पकाने/भोजन कक्ष, बैंक, स्वास्थ्य केंद्र आदि जैसी सुविधाएं कुशलतापूर्वक प्रदान की जाती हैं। वेंटिलेशन को अधिकतम करने के लिए कांच के रोशनदानों से ढके बड़े प्रागण हैं। ऊंची मंजिलों पर छतों को कबाडी बाजारों / स्टालों को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है |

साइट छवियां - अस्थायी शेड से महिला बाजार गतिविधियां

मुख्य विशेषताएं

- सतत योजना
- टिकाऊ निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी
- जल छाजन
- नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट जल प्रबंधन
- एसटीपी : सस्टेनेबल माइक्रोबियल एनारोबिक रिएक्टर टेक्नोलॉजी
  (ओएस स्मार्ट)

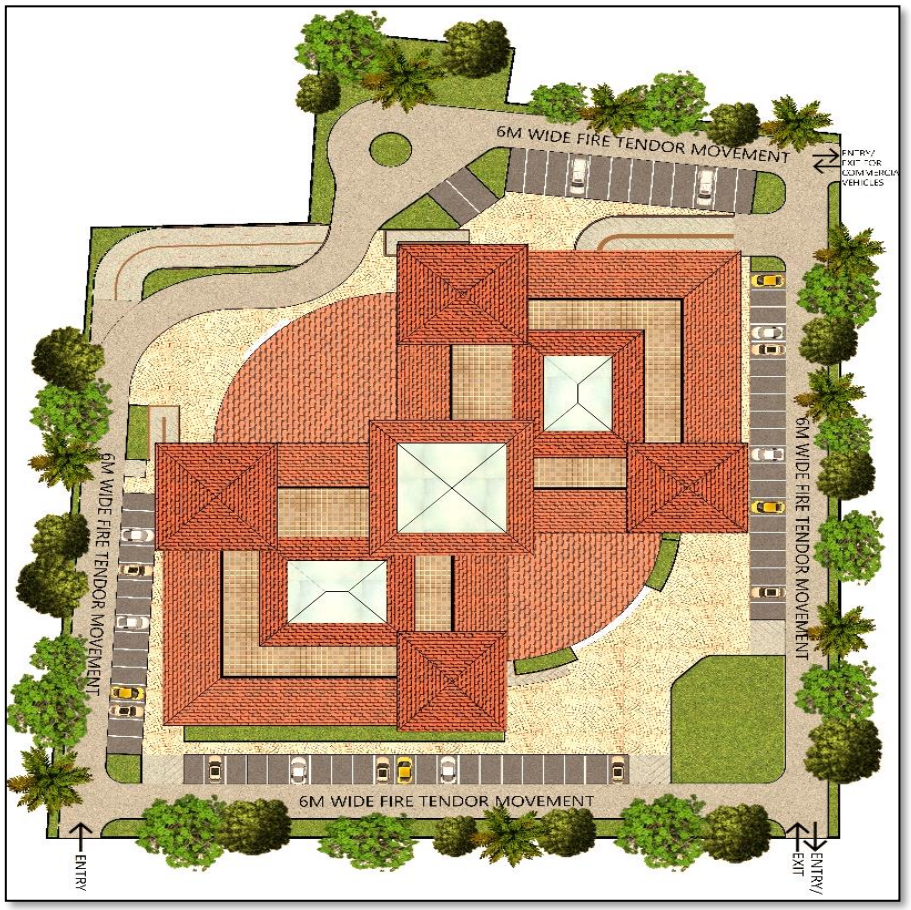

विरासत, पर्यटन और मनोरंजक परियोजनाएं

हडको ने विरासत और पर्यटन से संबंधित कई परियोजनाओं और योजनाओं की योजना बनाई और डिजाइन की है जैसे:

- आगरा, अजंता की गुफाएं, फतेहपुर सीकरी, बोधगया जैसे विभिन्न विश्व धरोहर स्थलों के लिए पर्यटक सुविधाओं और यातायात इंटरचेंज नोड्स का विकास।
- पर्यटन और संरक्षण पर ध्यान देने के साथ विकास योजना, महाबलीपुरम।
- थिरुनलार मंदिर टाउन के विकास के लिए मास्टर प्लान।
- निम्नलिखित गंतब्यों और पर्यटन सर्किटों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
    - केंद्र सर्किट मध्य प्रदेश
    - जम्मू-राजौरी-पुंछ सर्किट
    - लखनपुर-बसोली-बंज-सरथल सर्किट
    - छत्तीसगढ़ गंतब्य
- असम-काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान
- मैसूर में विरासत भवन

तीर्थ और सांस्कृतिक केंद्र, सोलोफोक, नामची

नामची में तीर्थयात्री सह सांस्कृतिक केंद्र, सोलोफोक में पहाड़ी की चोटी पर स्थित है और सात (7) एकड़ भूमि में फैला हुआ है। इस परिसर का केंद्र बिंदु है सोलोफोक पहाड़ी में बैठी हुई मुद्रा में भगवान शिव की 108 फीट ऊंची मूर्ति है। परिसर में बारह ज्योतिर्लिंगों और चार धामों की प्रतिकृतियां हैं | इसमें वीआईपी गेस्ट हाउस, यात्री निवास, ऑडिटोरियम और अन्य पर्यटक सुविधाएं जैसी अन्य विशेषताएँ भी हैं। यह स्थानीय पर्यटकों के साथ-साथ पूरे भारत से अन्य पर्यटकों के लिए एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण बन गया है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर अच्छा प्रभाव पड़ रहा है। हडको को इस परियोजना के लिए इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस अवॉर्ड मिला है।

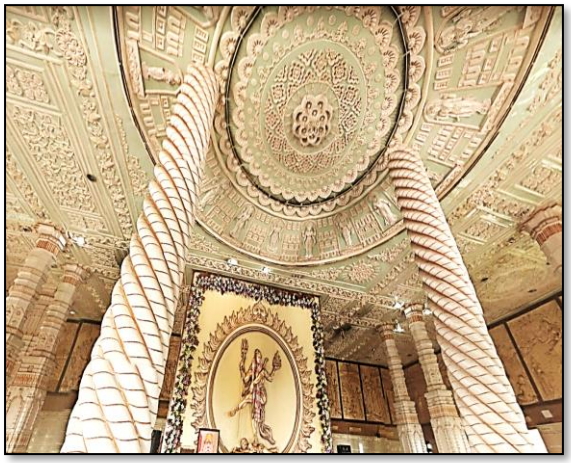

भगवान दरबरनेश्वर मंदिर, तिरुनल्लूर के लिए कतार परिसर

मंदिरों का शहर थिरुनल्लार एक छोटा सा शहर है जहां ध्यान का केंद्र भगवान दरबारनेश्वर का मंदिर है। सानिपेयार्ची महोत्सव के दौरान शहर में पर्यटकों की संख्या 10 लाख से अधिक हो जाती है। सर्वेक्षणों और अध्ययनों से अनुमान लगाया गया कि मंदिर से पैदल दूरी के साथ भीतर भाग में विभिन्न स्थानों पर समूहों में तीर्थयात्रियों को रखने के लिए एक कतार परिसर और एक व्यवस्थित तरीका विकसित करने की तत्काल आवश्यकता थी। कतार परिसर को सभी बुनियादी सुविधाओं, प्रशासनिक भवन, कतार एवेन्यू के साथ खरीदारी, लॉकर सुविधाओं, पर्यटक सूचना केंद्र, आवास बुकिंग कार्यालय, दर्शन के लिए टिकट काउंटर और पैदल यात्री स्थानों के साथ मनोरंजन और सांस्कृतिक क्षेत्रों के साथ एक स्व-निहित इकाई बनाने की योजना बनाई गई थी।

2016 में भारतीय कंक्रीट संस्थान (पुदुचेरी चैप्टर) द्वारा थिरुनलार क्यू कॉम्प्लेक्स को "पुडुचेरी यूटी में उत्कृष्ट सार्वजनिक उपयोगिता निर्माण परियोजना" से सम्मानित किया गया।

नदी तट (रिवर फ्रंट) पर शॉपिंग एंड ट्रैफिक इंटरचेंज नोड: बोध गया: शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण और डिजाइन उन दुकानों को समायोजित करने के लिए किया गया था, जिन्हें विश्व धरोहर स्थल महाबोधि मंदिर परिसर के आसपास के विरासत क्षेत्र से बाहर एक साइट पर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव था, लेकिन आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ ताकि दुकानदारों की आजीविका सुरक्षित रहे। बोधगया शहर के निर्माण स्वरूप और इसकी धार्मिक विरासत को ध्यान में रखते हुए, परिसर में बौद्ध वास्तुकला की आवश्यक विशेषताएँ शामिल हैं | कॉम्प्लेक्स को क्लस्टर लेआउट प्रारूप में डिज़ाइन किया गया है और इसमें विभिन्न प्रकार और पैमाने की दुकानें हैं। इसमें फूड कोर्ट, ओपन पवेलियन और पार्किंग सुविधाएं जैसी अन्य विशेषताएँ भी शामिल हैं।

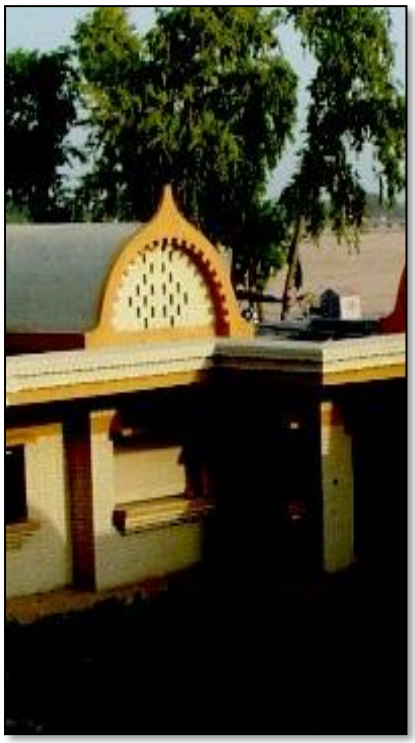

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और इंटरप्रिटेशन सेंटर, फतेहपुर सीकरी में

हडको ने भारत के कई राज्यों में और विभिन्न प्रकृति और श्रेणी की कई मनोरंजन और पर्यटन संबंधी परियोजनाओं की योजना बनाई और डिजाइन की है। हडको ने विश्व धरोहर, धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य वाले पर्यटक स्थलों सहित विरासत आधारित पर्यटन पर काम किया है। हडको ने पर्यटन महत्व के विभिन्न स्थानों को जोड़ने वाले गंतव्य पर्यटन और क्षेत्रीय पर्यटन सर्किटों के लिए डीपीआर भी तैयार किया है। हडको द्वारा पर्यटन योजना के उच्च बिंदु स्थिरता, स्थानीय आर्थिक विकास, 8.13 हेक्टेयर के भूखंड क्षेत्र में फैली प्राकृतिक और निर्मित विरासत के संरक्षण पर जोर देना है। मुगल स्थापत्य शैली बनाने के लिए डिजाइन तत्वों और सामग्रियों को सावधानीपूर्वक विचार के साथ चुना जाता है ताकि परिसर अपने सभी तत्वों के साथ अपने चारों ओर पूर्ण सामंजस्य में हो।

पुडुचेरी के वनस्पति उद्यान का नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण

हडको ने प्रतिस्पर्धी बोली जीती और उसे पुडुचेरी के वनस्पति उद्यान के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए लैंडस्केप कार्य से सम्मानित किया गया, जिसे 1826 में फ्रांसीसी द्वारा स्थापित किया गया था और 2012 में चक्रवात ठाणे द्वारा गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। हडको द्वारा किए गए नवीकरण और सौंदर्यीकरण कार्य से बगीचे के मनोरंजक सह शैक्षिक मूल्यों में वृद्धि हुई है |

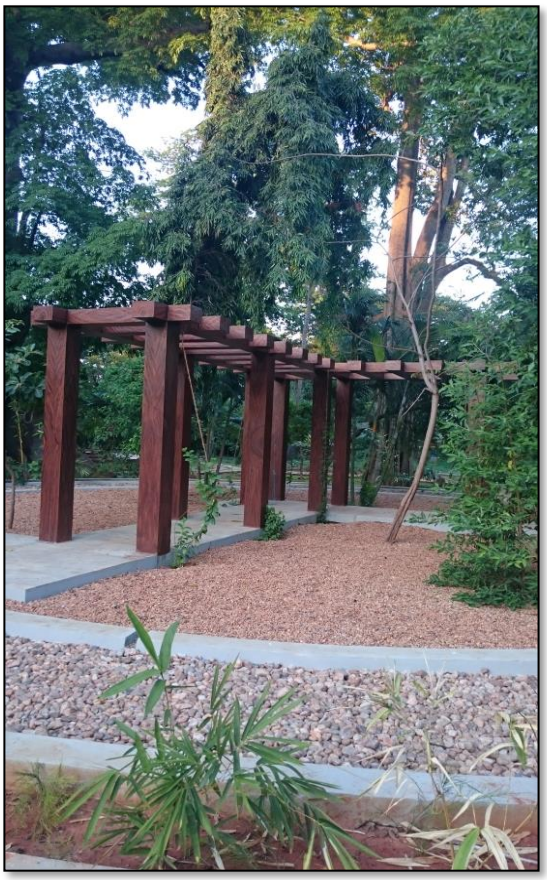

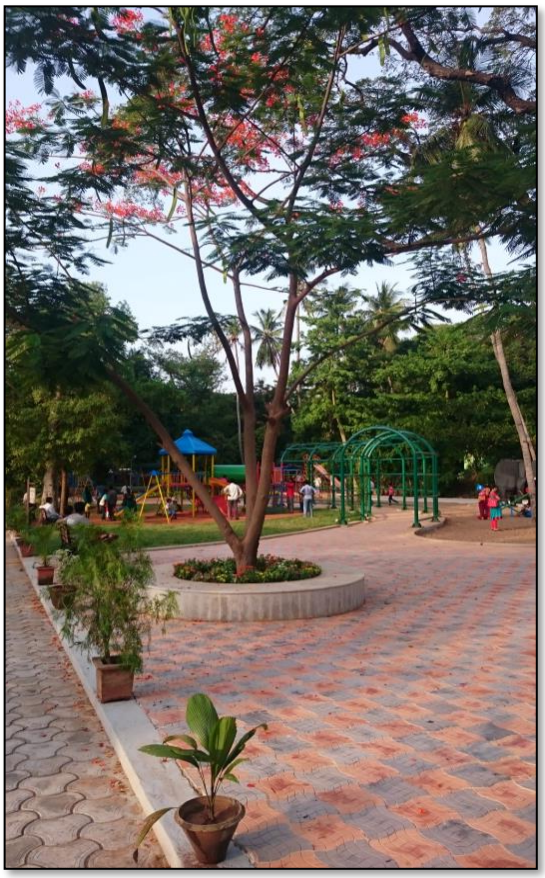

विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी में कॉटेज और संबद्ध सुविधाओं का डिजाइन और विकास

आध्यात्मिक पर्यटन सर्किट विकास, पुडुचेरी

यह सरकारी कार्यक्रम - "स्वदेश दर्शन के आध्यात्मिक सर्किट" के तहत संकल्पित आध्यात्मिक पर्यटन सर्किट विकास योजना को विकसित करने और डिजाइन करने की अनूठी परियोजना है। इसके कई स्थल हैं जिसमें मुख्य रूप से पुडुचेरी और कराईकल में प्राथमिकता वाले आध्यात्मिक स्थलों को कवर किया गया है। डिजाइन अभ्यास का व्यापक उद्देश्य पर्यटकों को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करना है और इसके दायरे में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं, सौंदर्यशास्त्र और परिदृश्य के लिए पर्याप्त योजना शामिल है।

परियोजना के लिए छह स्थल:

1. कोकिलाम्बल तिरुकमेश्वर मंदिर, पुडुचेरी
2. गंगैवरगनाथेश्वर मंदिर, तिरुकांची, पुडुचेरी
3. थिरुनल्लर में आध्यात्मिक पार्क
4. थिरुनल्लर में पवित्र तालाब
5. श्री बद्र काली अम्मन मंदिर, अंबागारथुर
6. जदापुरेश्वर मंदिर, टीआर पट्टिनम, कराईकल

प्रत्येक घटक में प्रवेश द्वार से लेकर परिदृश्य, पवित्र जल निकायों के कायाकल्प, पर्यटक सुविधाओं, एम्फीथिएटर, ध्यान क्षेत्र आदि तक कई डिज़ाइन इनपुट हैं।

इस पर्यटन सर्किट विकास परियोजना के प्रमुख घटकों में से एक है आध्यात्मिक / धार्मिक केंद्रों के आसपास के पवित्र तालाबों / जल निकायों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण |

आवास परियोजनाएं

कम आयवर्ग के लिए किफायती आवास

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) और निम्न आय वर्ग (LIG)

इंक्रीमेंटल हाउसिंग, क्लस्टर प्लानिंग, लो-राइज हाई डेंसिटी डेवलपमेंट, उपयुक्त और लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों के विकास, अनुप्रयोग के क्षेत्र में कमजोर वर्गों और कमआय वाले आवास की जरूरतों को संवेदनशील रूप से पूरा करने के लिए हडको के योगदान की बहुत सराहना की गई है |

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों के लिए ईडब्ल्यूएस आवास, पुडुचेरी और कराईकल,

सामुदायिक आवास - गंगामाढ़ी, गदग, कर्नाटक

कुंकोलिम, गोवा-एक पुनर्विकास आवास आवास

म्युनिसिपल स्कैवेंजर्स के लिए हाउसिंग, शिवमोगा, कर्नाटक

गैस त्रासदी पीड़ितों के लिए आवास परियोजना, भोपाल

चेन्नई मलिन बस्ती पुनर्विकास

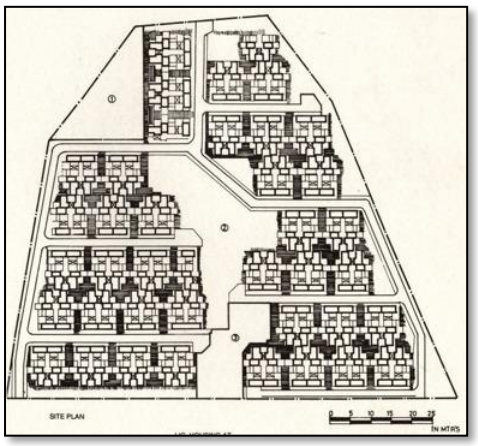

गिरगाँव, ग्वालियर, (म.प्र.) में अटल आश्रय योजना

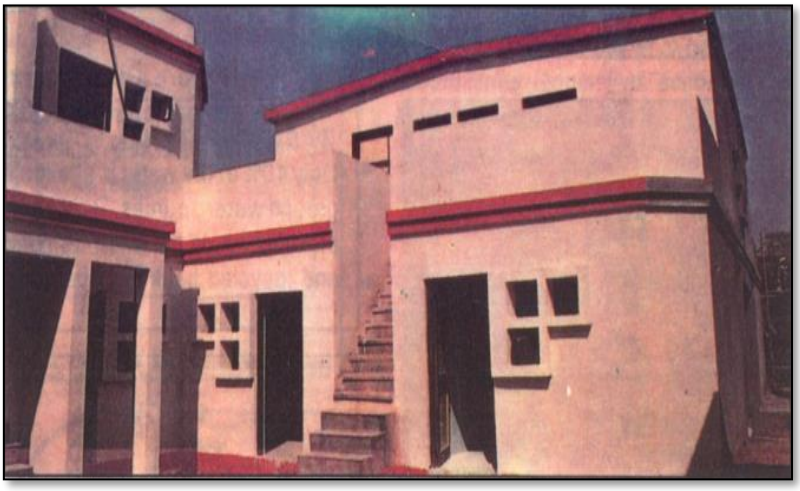

पिंपरी-चिंचवाड़, महाराष्ट्र में एलआईजी प्रदर्शन आवास परियोजना

हडको की पुरस्कार विजेता आवास परियोजनाएं

भोपाल गैस पीड़ितों के लिए आवास

हडको वास्तुकला परामर्श विभाग ने भोपाल गैस पीड़ितों के पुनर्वास के लिए आवास का डिजाइन तैयार किया। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित बहु-मंजिला आवास समाधान के विपरीत हडको ने आवासीय योजना के लिए कम ऊचाई उच्च घनत्व क्लस्टर हाउसिंग का दृष्टीकोण अपनाया | पीड़ितों की शारीरिक स्थिति और कम गतिशीलता को देखते हुए ऊँचे मकानों को पीड़ितों के लिए अत्यधिक अनुपयुक्त माना गया। प्रस्तावित डिजाइन में वृद्धिशील अवधारणा के साथ भूतल और पहली मंजिल का विकास माडल शामिल था। प्रत्येक इकाई को वृद्धिशील आवास बनाने के लिए एक ही स्तर पर भविष्य के कमरे की सुविधा व संभावना रखी गई थी। घरों को क्लस्टर कॉन्डोमिनियम विकास में आयोजित किया गया था। पांच इकाइयों के चार बुनियादी मॉड्यूल को मिलाकर 20 इकाइयों का एक समूह इस तरह बनाया गया है कि केंद्रीय खुले क्षेत्र का उपयोग सभी लाभार्थियों द्वारा बाहरी गतिविधियों के लिए किया जा सके।

पिंपरी चिंचवड, पुणे में कम आय वाली आवास परियोजना

यह परियोजना अपने वृद्धिशील कम वृद्धि उच्च घनत्व विकास दृष्टिकोण के कारण निम्न आय आवास परियोजनाओं के लिए एक मील का पत्थर थी। हडको को 1990 में परियोजना के लिए भारतीय वास्तुकार संस्थान से वास्तुकला में उत्कृष्टता के लिए एक परियोजना पुरस्कार प्राप्त हुआ। परियोजना को आगा खान अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था और विश्व आवास पुरस्कार, यूके के लिए पांच नामांकितों में से एक था, इसके पूर्ण स्वरुप और परियोजना की सफलता के बाद, क्लस्टर योजना दृष्टिकोण को पूरे देश में कम आय वाले आवासों के लिए स्वीकृति प्राप्त हुई ।

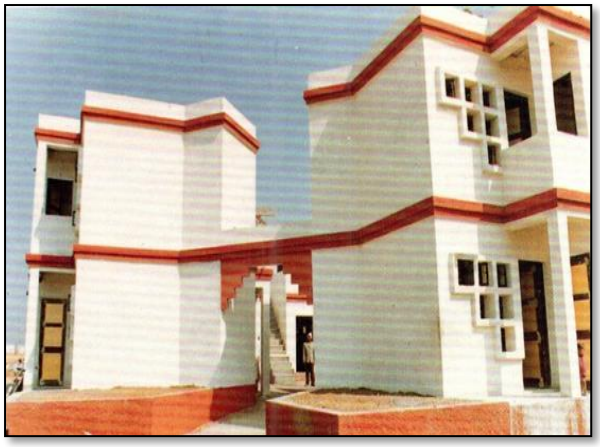

हडको द्वारा डिज़ाइन की गई कम आय वाले परिवारों के लिए यह क्लस्टर हाउसिंग प्रोजेक्ट 'वादस' की अवधारणा को पुनर्जीवित करने का एक सचेत प्रयास था। वादस - पुणे में आवास की एक पारंपरिक शैली है, जिसने सामाजिक संपर्क और सामंजस्य को बढ़ावा दिया। प्रचारित भौतिक रूप भी जीवन

शैली के अनुकूल था जिसने गोपनीयता और सामाजिक संपर्क के बीच संतुलन बनाया। परियोजना ने कम आय वाले परिवारों की जरूरतों के संदर्भ में कम ऊचाई उच्च घनत्व विकास योजना की व्यवहार्यता का प्रदर्शन किया।

एचएएल कर्मचारियों के लिए ग्रुप हाउसिंग, बेंगलुरु

हडको को HAL, बेंगलुरु के लिए स्टाफ रेंटल हाउसिंग डिजाइन करने की प्रतिष्ठित परियोजना सौंपी गई थी। यह परियोजना तीन अलग-अलग भूखंडों में फैली हुई है। हाउसिंग प्रोजेक्ट का मुख्य आकर्षण इसकी हरित विशेषताएं हैं जो उपयुक्त बिल्डिंग ओरिएंटेशन और साइट स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करती हैं। परियोजना अंतिम उपयोगकर्ताओं की विभिन्न आवश्यकताओं के आधार पर उच्च ऊचाई मध्यम घनत्व और निम्न ऊचाई निम्न घनत्व की उपयुक्तता और प्रयोज्यता को प्रदर्शित करती है। यह परियोजना गृह /आईजीबीसी (GRIHA/IGBC) के साथ पंजीकृत है और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए कई हरित टिकाऊ प्रथाओं के साथ डिजाइन की गई है।

वर्टिकल हाउसिंग शहजार अपार्टमेंट्स, श्रीनगर

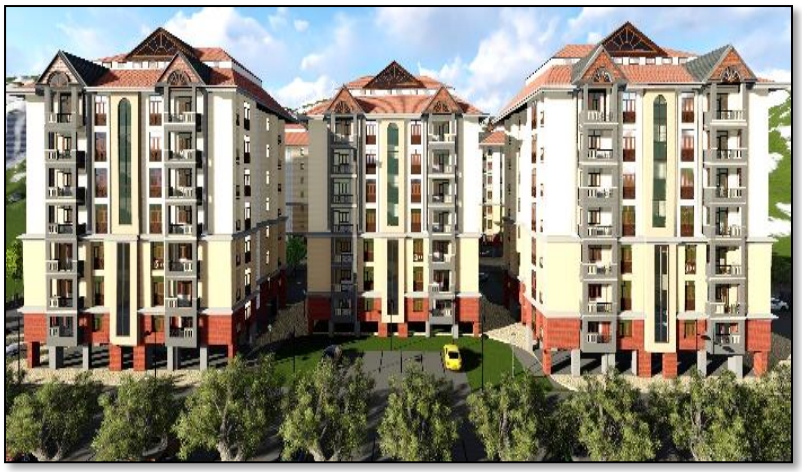

बेमिना, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में स्थित परियोजन वास्तुकला की स्थानीय शैली पर आधारित है। स्थानीय जलवायु संस्कृति और स्थानीय सौन्दर्यकरण के अनुकूल डिजाइन किया गया है। यह इमारत टावरों को भू-दृश्य वाले केंद्रीय प्रांगण की ओर देखने के लिए व्यवस्थित किया गया है। आवासों का उच्च घनत्व प्राप्त करने के लिए ऊँची इमारतें (स्टिल्ट + सात मंजिल) बनाई गई है | आवासीय इकाइयों का डिजाइन उपयोगकर्ताओं के पारंपरिक और सांस्कृतिक पहलुओं से तैयार किया गया है। सामुदायिक केंद्र, शॉपिंग सेंटर और पूजा स्थल आदि जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। पार्किंग की सुविधा साइट की स्टिल्ट और परिधि सड़क तक ही सीमित है।केन्द्रीय प्रांगण में पैदल यात्रियों की आवाजाही कार मुक्त है |

इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली के आंतरिक कार्य

हडको की कंसल्टेंसी टीम ने हमारे अपने कार्यालय के साथ-साथ अन्य कार्यालय जैसे काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर के भी इंटीरियर डिजाइन के कार्य किए। विशिष्ट डिजाइन तत्वों में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कोने वाले केबिनों के साथ खुला कार्यालय लेआउट शामिल था। विभाजन, फर्नीचर, दरवाजे, वर्कटॉप्स, कैबिनेट्स, कैडेंजस जैसे विशिष्ट तत्वों से बने होते हैं, जिसमें रंगों के सामंजस्यपूर्ण खेल, चौकोर आकार के ग्लेज़िंग पैटर्न के साथ फिनिश और बनावट होती है।

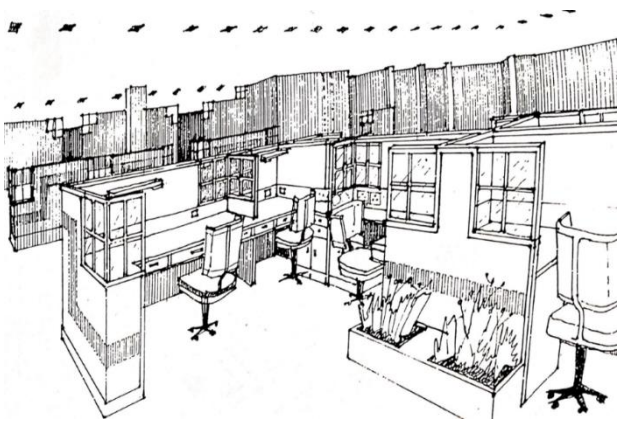

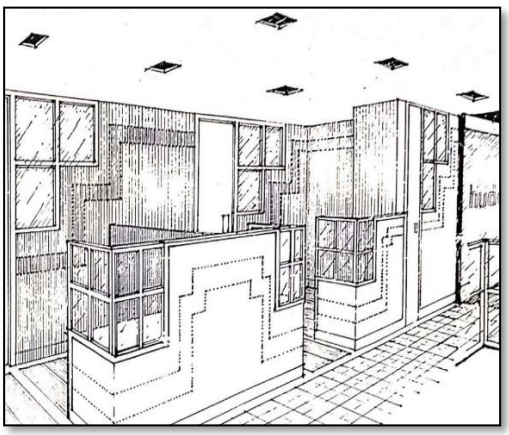

सीडीआरआई कार्यालय, एनडीएमए, नई दिल्ली के लिए प्रस्तावित आंतरिक कार्य

कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर (CDRI) कार्यालय के लिए प्रस्तावित आंतरिक कार्य भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है।

डिजाइन निगमन:

- लचीला लेआउट और गतिविधि-आधारित कार्यस्थल
- डिजाइन में चमकदार प्रकृति, ग्रीन लिस्टेड फर्नीचर का उपयोग
- गतिशील और चुस्त स्थान, मनोरंजक क्षेत्र,
- सहयोगी बैठक कक्ष,
- प्रौद्योगिकी आधारित स्मार्ट कार्यालय
- रंग और बनावट का खेल

लैंडस्केप डिजाइन परियोजनाएं

वानस्पतिक उद्यान, यानम का विकास

यानम पुडुचेरी (पांडिचेरी) प्रदेश का एक शहर है। जल भंडारण क्षेत्रों के साथ-साथ कुल 53 एकड़ की जगह, जो शहर के लिए पीने के पानी का एकमात्र स्रोत है, को (PWD) पीडब्ल्यूडी यानम द्वारा अधिग्रहित किया गया था। वनस्पति उद्यान के लिए प्रस्तावित स्थल 8.8 एकड़ था। इस उद्यान को क्षेत्र के पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी में सुधार के लिए डिजाइन किया गया था और जल निकायों को निर्मित क्षेत्र के विस्तार से बचाने के लिए बफर के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया था। परियोजना की प्रमुख उपलब्धि यह है कि इसने बंजर भूमि को हरित क्षेत्र में परिवर्तित कर दिया, जिसमें प्लाजा, खेल के मैदान, दुकानें और पर्यटन आकर्षण हैं |

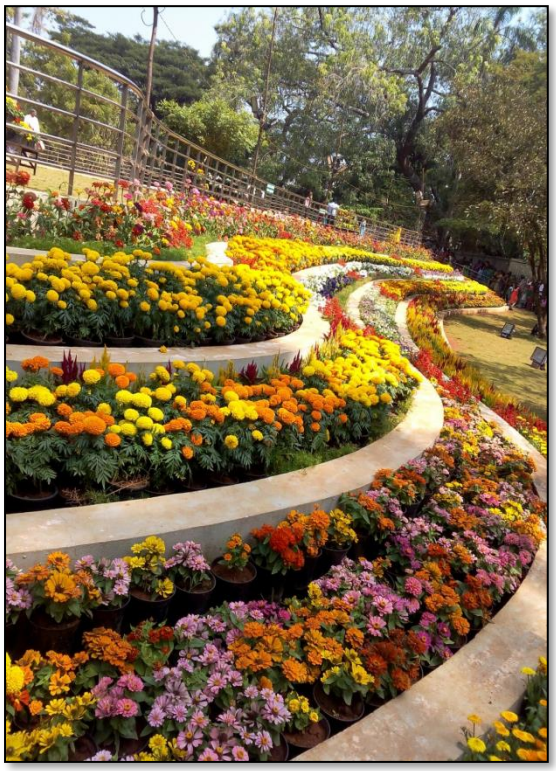

KIDS PLAY AREA
JOY TRAIN
ROCK GARDEN
RESTAURANT
LOTUS POND
JOGGING TRACK
NATURE CENTRE
MUSICAL FOUNTAIN
SHRUB BED
STATE LAWN

प्रमुख उपलब्धियां

हडको द्वारा डिज़ाइन की गई कई परियोजनाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स से "एक्सीलेंस इन आर्किटेक्चर" पुरस्कार, "आगा खान इंटरनेशनल" पुरस्कार के साथ-साथ बिल्डिंग एवं सोशल हाउसिंग फाउंडेशन, यू.के. द्वारा प्रायोजित "वर्ल्ड हैबिटेट" पुरस्कार भी शामिल है। हडको, ने शहरी विकास मंत्रालय से जम्मू में सैटेलाइट टाउनशिप परियोजना के लिए "शहरी योजना और डिजाइन में उत्कृष्टता" के लिए प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। उड़ीसा और गुजरात में आपदा पुनर्वास प्रयासों के लिए परामर्श को लोकसभा और राज्यसभा से भी महत्वपूर्ण सराहना मिली है। लातूर और उस्मानाबाद में भूकंप पुनर्वास के प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है।

परामर्श के क्षेत्र

कंसल्टेंसी एंड प्लानिंग वर्टिकल

शहरी और क्षेत्रीय योजना परामर्श

हडको ने शहरी और क्षेत्रीय योजना तैयार करने में बड़े पैमाने पर काम किया है, जिसमें मास्टर प्लान, शहर विकास योजना, झुग्गी पुनर्विकास, राष्ट्रीय महत्व की योजनायें और नीति संबंधी योजना कार्य शामिल हैं। हडको की कुछ शहरी और क्षेत्रीय योजना परामर्श परियोजनाओं में निम्न शामिल हैं:

- ❑ राजगीर क्षेत्रीय योजना क्षेत्र और नालंदा महाविहार विश्व विरासत स्थल, बिहार के लिए एकीकृत मास्टर प्लान (चल रहा है)
- ❑ खरगोन और झाबुआ, मध्य प्रदेश के लिए विकास योजना
- ❑ बिहार में आरा, बोधगया, बिहारशरीफ, भागलपुर, छपरा, दरभंगा, गया, मुजफ्फरपुर, राजगीर कस्बों के लिए मास्टर प्लान
- ❑ गंगटोक, सिक्किम, चास और रांची, झारखंड के लिए मलिन बस्ती मुक्त शहरी योजना
- ❑ बोधगया और पणजी के लिए नगर विकास योजना (सीडीपी)
- ❑ झारखंड के लिए राज्य शहरी विकास रणनीति

परियोजनाओं की योजना बनाने के लिए हडको का दृष्टिकोण

योजना टीम

हडको की योजना परामर्श टीम शहरी स्थानीय निकायों, राज्य सरकारों और विकास प्राधिकरणों के लिए शहर, जिला और साथ ही राज्य स्तर पर व्यापक शहरी और क्षेत्रीय नियोजन कार्य प्रदान करने में कुशल है । हडको द्वारा किये गये योजना परामर्श कार्यों की पहचान इसकी भागीदारी दृष्टिकोण तथा समावेशी और समग्र समाधान हैंजो सभी हितधारको को लाभान्वित करने का प्रयास करते हैं | यह भौतिक परियोजना तक ही सीमित नहीं है बल्कि पर्यावरण ,रोजगार तथा सामाजिक कल्याण संबधित विषयों को भी संबोधित करते हैं | एक मजबूत बहु-विषयक टीम मजबूत, हडको की योजना परियोजनाओं की पहचान इसकी भागीदारी दृष्टिकोण और समावेशी और समग्र समाधान है जो सभी हितधारकों को लाभान्वित करता है और भौतिक योजना तक ही सीमित नहीं है बल्कि पर्यावरण संबंधी चिंताओं, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण को संबोधित करता है। हडको की योजना टीम में क्षेत्रीय, शहरी और परिवहन योजनाकार शामिल हैं जिन्हें योजना तैयार करने का व्यापक अनुभव है। हडको व्यावहारिक और कार्यान्वयन योग्य समाधान सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक वैचारिक योजनाओं और विकास विकल्पों के साथ-साथ पर्यावरणीय प्रभाव, वहन क्षमता और स्थिरता संबंधी चिंताओं की पेशकश और मूल्यांकन भी करता है।

हाल की कुछ परियोजनाओं की मुख्य विशेषताएं

गंगटोक, सिक्किम के लिए स्लम फ्री सिटी प्लान ऑफ एक्शन

गंगटोक, सिक्किम के लिए स्लम फ्री सिटी प्लान ऑफ एक्शन हडको द्वारा तैयार किया गया था। गंगटोक का SFCPoA, जिसकी लगभग 23% आबादी मलिन बस्तियों में रहती है, इसकी नाजुक पारिस्थितिकी, इलाके और प्रतिबंधात्मक भूमि कानूनों के कारण एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। मजबूत स्थायित्व और भेद्यता विश्लेषण के आधार पर एक जीआईएस आधारित योजना तैयार की गई थी। इसने स्लम मुक्त गंगटोक के लिए उपचारात्मक रणनीति के साथ-साथ निवारक रणनीति को रेखांकित किया। इसने योजना के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक निवेश योजना, संस्थागत ढांचे और नीतिगत सुधारों को भी रेखांकित किया। योजना को केंद्रीय मंजूरी निगरानी समिति, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था।

खरगोन, मध्य प्रदेश के लिए विकास योजना

हडको ने खरगोन, मध्य प्रदेश के लिए विकास योजना तैयार करने के लिए परामर्श प्रदान किया। खरगोन शहर दक्षिण पश्चिमी मध्य प्रदेश में खरगोन जिले में स्थित है। 2011 की जनगणना के अनुसार शहर की आबादी लगभग 1.1 लाख है। यह शहर जिला मुख्यालय होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार और उद्योग केंद्र भी है।

भू-आधार आधारित जीआईएस विकास योजना (विकास योजना) की तैयारी में बीस साल के परिप्रेक्ष्य में खरगोन योजना क्षेत्र के विकास और विकास के लिए एकीकृत योजना शामिल है।

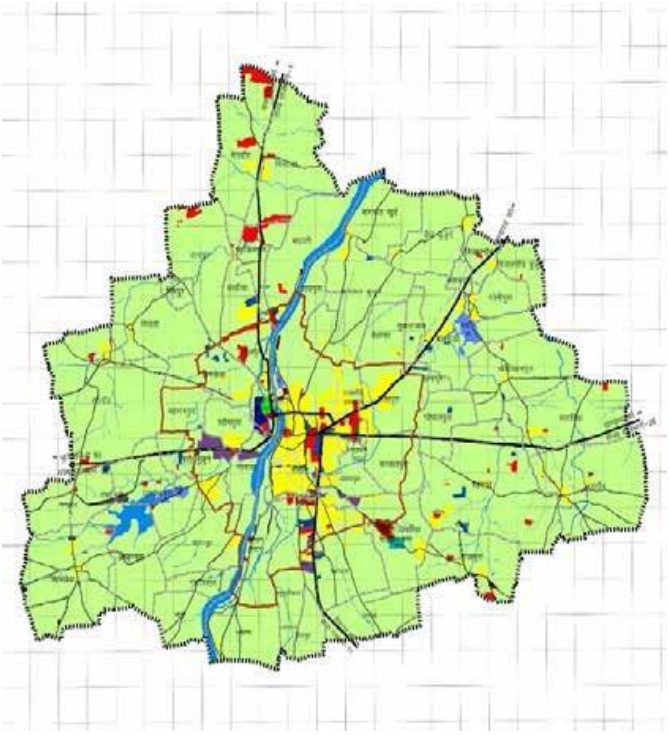

पूर्व परियोजनाओं के कुछ उदाहरण

नई जम्मू टाउनशिप

भारी आबादी के दबाव का सामना कर रहे जम्मू के ऐतिहासिक शहर के लिए एक सैटेलाइट टाउनशिप की योजना और डिजाइन हडको द्वारा बनाई गई थी। 900 हेक्टेयर का साइट क्षेत्र तवी नदी के करीब था। लगभग एक लाख आबादी के लिए नियोजित टाउनशिप पारिस्थितिक संरक्षण के सिद्धांत द्वारा निर्देशित थी।

ईको-सिस्टम को आत्मसात करने के लिए मूल्यांकन अध्ययन और ईको-इन्वेंट्री की गई थी ताकि विकास के नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सके। नए शहर के प्रस्तावों में तवी से लिए गए नदी के पानी का पुनर्चक्रण, संभावित भूजल पुनर्भरण क्षेत्रों के रूप में प्राकृतिक सतही नालों का संरक्षण और नदी में पुनर्चक्रण और निपटान से पहले कम लागत वाले प्राकृतिक उपचार के माध्यम से सीवेज का निपटान शामिल है।

सिधरा-एन-मजीन, जम्मू में सैटेलाइट टाउनशिप

परियोजना को "शहरी योजना और डिजाइन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार" मिला।

तमिलनाडु के लिए पर्यटन मास्टर प्लान

हडको कंसल्टेंसी को तमिलनाडु राज्य के लिए पर्यटन मास्टर प्लान तैयार करने का काम सौंपा गया था। कार्य के दायरे में एक सूची तैयार करना और पर्यटन उत्पादों का आकलन करना और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वित्त पोषण और प्रबंधन तंत्र सहित योजना की सिफारिश की रणनीति, नीतियां, कार्यक्रम और परियोजनाएं शामिल हैं।

प्रदान किया गया मास्टर प्लान;

- कार्यान्वयन के रोड मैप के साथ पर्यटन विकास के लिए व्यापक रणनीति
- पर्यटन के लिए नए सर्किट विकास के प्रस्ताव
- चयनित समूहों के लिए गंतव्य विकास की अवधारणा

नई जम्मू टाउनशिप

अधिक आबादी के दबाव का सामना करने वाले जम्मू के ऐतिहासिक शहर के लिए एक सैटेलाइट टाउनशिप की योजना और डिजाइन हडको द्वारा बनाई गई थी। 900 हेक्टेयर का साइट क्षेत्र तवी नदी के करीब था। लगभग एक लाख आबादी के लिए नियोजित टाउनशिप पारिस्थितिक संरक्षण के सिद्धांत द्वारा निर्देशित थी।

ईको-सिस्टम को आत्मसात करने के लिए मूल्यांकन अध्ययन और ईको-इन्वेंट्री की गई थी क्योंकि यह प्रस्तावित विकास के लिए मौजूद था ताकि विकास के नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सके। नए शहर के प्रस्तावों में तवी से लिए गए नदी के पानी का पुनर्चक्रण, संभावित भूजल पुनर्भरण क्षेत्रों के रूप

में प्राकृतिक सतही नालों का संरक्षण और नदी में पुनर्चक्रण और निपटान से पहले कम लागत वाले प्राकृतिक उपचार के माध्यम से सीवेज का निपटान शामिल है।

परियोजना को "शहरी योजना और डिजाइन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार" मिला।

सिधरा-एन-मजीन, जम्मू में सैटेलाइट टाउनशिप

वृंदावन टाउनशिप, लखनऊ के लिए व्यापक विकास योजना

परियोजना में लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 1200 हेक्टेयर की साइट के लिए बुनियादी ढांचे के विवरण सहित भूमि उपयोग योजना और विस्तृत लेआउट योजना तैयार करना शामिल है। टाउनशिप की योजना पांच लाख व्यक्तियों की आबादी के लिए बनाई गई थी और जल संरक्षण और ग्रीन सिटी सिद्धांतों पर केंद्रित थी।

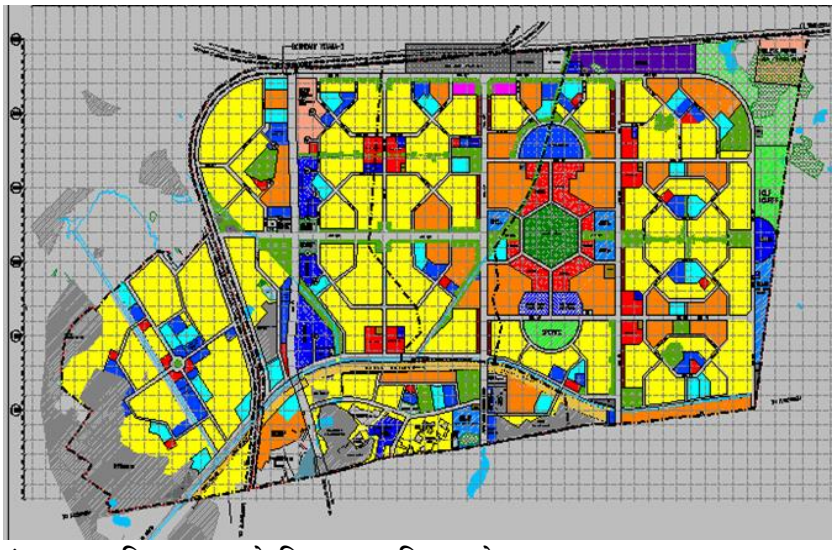

वृंदावन टाउनशिप, लखनऊ के लिए व्यापक विकास योजना

कंसल्टेंसी एंड प्लानिंग सर्विसेज

कंसल्टेंसी एंड प्लानिंग सर्विसेज टीम के पास विभिन्न परामर्श ग्राहकों के लिए परियोजना डिजाइन और निर्माण में पांच दशकों से अधिक का अनुभव है। इसने विभिन्न क्षेत्रों में कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है जैसे:

- आवास और स्लम पुनर्वास परियोजनाएं
- लैंडस्केप प्रोजेक्ट्स

- आपदा पुनर्वास के प्रयास
- लागत प्रभावी और पारिस्थितिक रूप से उपयुक्त वैकल्पिक निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियां
- विरासत और पर्यटन परियोजनाएं
- जेएनएनयूआरएम के तहत बीएसयूपी और आईएचएसडीपी के लिए डीपीआर तैयार करना
- वाणिज्यिक और संस्थागत भवन डिजाइन

APPRAISAL & MONITORING

हडको भारत सरकार के विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रमों को लागू करने में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को अमूल्य तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। क्षेत्रीय कार्यालयों के अपने नेटवर्क के माध्यम से भारत के लगभग प्रत्येक राज्य में स्थानिक पहुंच रखने वाली तकनीकी शाखा के रूप में, हडको ने केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति (सीएसएमसी), भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय निधियों की मंजूरी पर विचार करने के लिए परियोजनाओं (साइट और डेस्क दोनों), की जांच में मंत्रालय की सहायता की है। हडको ने भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की निगरानी के लिए भी सहायता प्रदान की है और भारत सरकार की वित्तीय सहायता से सृजित परिसंपत्तियों की गुणवत्ता की जांच भी की है।

काम के प्रमुख क्षेत्र

- ❑ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत डीपीआर की जांच, स्थल निरीक्षण
- ❑ डीएवाई एनयूएलएम के शहरी बेघर बेघरों के लिए आश्रय घटक के तहत निर्मित रैन बसेरों का निरीक्षण
- ❑ चार जलवायु क्षेत्रों के लिए शहरी बेघरों के लिए आश्रय के लिए प्रोटोटाइप डिजाइन
- ❑ सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में सरकार द्वारा वित्त पोषित सामाजिक बुनियादी ढांचे और आवास परियोजनाओं का निरीक्षण
- ❑ जेएनएनयूआरएम के अंतर्गत दिशा-निर्देश और प्रपत्र तैयार करने में मंत्रालय की सहायता।
- ❑ शहरी गरीबों के लिए बुनियादी सेवाओं और जेएनएनयूआरएम के अंतर्गत एकीकृत आवास एवं स्लम विकास कार्यक्रम के अंतर्गत डीपीआर/परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया।
- ❑ 'बीएसयूपी/आईएचएसडीपी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए टूलकिट तैयार करने में सहायता की'।
- ❑ किफायती आवास के लिए डिजाइन मैनुअल
- ❑ जागरूकता निर्माण कार्यशालाएं
- ❑ दिल्ली पुलिस की परियोजनाओं की तीसरे पक्ष से निगरानी

ENVIRONMENTAL ENGINEERING

पर्यावरणीय इंजीनियरिंग

हुडको पर्यावरण इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है और इसमें पर्यावरण इंजीनियरों, पर्यावरण योजनाकारों, सिविल इंजीनियरों और हाइड्रोलिक इंजीनियरों जैसे अनुभवी बहु-विषयक पेशेवरों की एक टीम है। हुडको ने पर्यावरण इंजीनियरिंग बुनियादी ढांचे में परियोजना अवधारणाओं को विकसित और एकीकृत किया है; मुख्य रूप से जल आपूर्ति, सीवरेज, जल निकासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में और कार्यान्वयन एजेंसियों को तकनीकी रूप से व्यवहार्य और वित्तीय रूप से व्यवहार्य समाधान की पेशकश की है।

पर्यावरण इंजीनियरिंग में हडको की परामर्श सेवाओं के फोकस क्षेत्र नीचे बताए गए हैं:

- ❑ वाटर सप्लाई
- ❑ सीवरेज एवं सीवेज ट्रीटमेंट
- ❑ सॉलिड वेस्ट मनेजमेंट
- ❑ प्रभाव आकलन अध्ययन
- ❑ भारत सरकार की योजनाओं/कार्यक्रमों का तृतीय पक्ष मूल्यांकन एवं मूल्यांकन(थर्ड पार्टी अप्प्रैसल & इवैल्यूएशन ऑफ़ गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया स्कीम्स /प्रोग्रम्मेस)
- ❑ क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण (कैपेसिटी बिल्डिंग /ट्रेनिंग)
- ❑ नवीन और कम लागत वाले स्वच्छता समाधान

साबरमती रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, अहमदाबाद

दश्व्वरमेध घाट का फेस लिफ्टिंग

धर्मवीर संभाजी झील, महाराष्ट्र

साबरमती रिवर फ्रंट पार्क, अहमदाबाद

प्रमुख परियोजनाएं: पर्यावरण परामर्श सेल के पास राष्ट्रीय महत्व और ख्याति की परियोजनाओं का एक शानदार पोर्टफोलियों है, जिसने भारत में शहरी परिदृश्य को प्रभावित किया है।

- ❑ भारतीय वायुसेना के 10 एयरफील्ड कस्बों सहित 27 शहरों के लिए नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट।
- ❑ पुणे ग्वालियर और तेजपुर में भारतीय वायुसेना के एयरफील्ड्स के संवेदनशील क्षेत्र के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)।
- ❑ राजस्थान के भीलवाड़ा शहर की सीवरेज योजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट।
- ❑ नोएडा में नगरपालिका ठोस कचरे के निपटान के उपचार के लिए प्रौद्योगिकी चयन के लिए परामर्श
- ❑ नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज के लिए डीपीआर तैयार करना।
- ❑ पर्यावरण और वन मंत्रालय की ओर से गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण के तहत गंगोत्री, ऋषिकेश और हरिद्वार के लिए सीवरेज परियोजना का मूल्यांकन।
- ❑ पर्यावरण संरक्षण में एमओईएफ और सीसी की केंद्रीय क्षेत्र की योजना का तीसरे पक्ष का मूल्यांकन

नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

हडको ने पुणे, ग्वालियर, तेजपुर (असम), तुरा और शिलांग (मेघालय) शहरों के लिए ठोस उपशिष्ठ प्रबंधन और जल निकासी के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और नोएडा शहर में नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के प्रसंस्करण/निपटान के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी चयन के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की है।

हडको ने अंबाला, दिल्ली के द्वारका उप-शहर, डुंडीगल, सिरसा, पुणे ग्वालियर, आदमपुर, गाजियाबाद, बरेली, जोधपुर और तेजपुर शहरों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की है।

सीवरेज / जल निकासी परियोजनाएं

पर्यावरण और वन मंत्रालय (एमओईएफ) ने राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (एनजीआरबीए), राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (एनआरसीपी) और राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना (एनएलसीपी) के तहत सीवरेज परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए हडको को सूचीबद्ध किया है। जिन प्रतिष्ठित परियोजनाओं के लिए हडको ने तकनीकी परामर्श सेवाएं प्रदान की हैं, उनमें शामिल हैं:

1. ज्वालापुर (जोन ई-2), हरिद्वार, उत्तराखंड में 18 एमएलडी एसटीपी के निर्माण के लिए बिस्तार से परियोजना रिपोर्ट
2. हरिद्वार, उत्तराखंड में अहबाब नगर, ज्वालापुर (जोन ई-2) में सीवरेज सिस्टम के लिए विस्तार से परियोजना रिपोर्ट
3. तपोवन, उत्तराखंड के लिए सीवरेज और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए विस्तार से परियोजना रिपोर्ट
4. त्रिवेणी घाट (गंगा नदी), ऋषिकेश, उत्तराखंड में प्रदूषण उपशमन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
5. गंगोत्री सीवरेज योजना जिला उत्तरकाशी, उत्तराखंड के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
6. राष्ट्रीय नदी संरक्षण परियोजना चरण-II, गुजरात के अंतर्गत साबरमती नदी की सफाई के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
7. एनआरसीपी, महाराष्ट्र के अंतर्गत मल्कापुर नगर पंचायत के लिए ग्राउंड सीवरेज/सुलीज योजना के अंतर्गत

हडको ने 51,193.48 लाख रूपये की कुल अनुमानित परियोजना लागत के लिए भारत के विभिन्न कस्बों/शहरों में सीवरेज परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की है। हडको ने जिन कस्बों के लिए सेवारत/जल निकासी के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की है उनमें भीलवाड़ा भीलवाड़ा, डीडवाना, अलवर, सूरतगढ़, पिलानी, कुचामनसिटी, जुंझुनू, सीकर, सुजानगढ़ शामिल हैं। इसने नोएडा के भीलवाड़ा सिटी और औद्योगिक सेक्टरों के लिए डीपीआर भी तैयार की है।